

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND IN THE DEPARTMENT OF PERSONNEL (SHRI RAM NIWAS MIRDHA) : (a) Yes, Sir. Some complaints have been received by Government in this regard.

(b) The complaints have been forwarded to the Government of Punjab for necessary action.

**Production of readymade garments**

6945. SHRI VIJAY PAL SINGH : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) the number of units engaged in the production of ready made garments in the country; and

(b) their total annual turn over ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A. C. GEORGE) : (a) and (b). Information is being collected and would be laid on the Table of the House.

**केन्द्रीय सरकार और दिल्ली प्रशासन**

**के बीच हिन्दी में पत्र व्यवहार**

6946. श्री मूल चन्द डागा : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली प्रशासन ने केन्द्रीय सरकार को कम से कम 100 पत्र हिन्दी में भेजे थे पर केन्द्रीय सरकार ने उनमें से किसी एक का भी उत्तर हिन्दी में नहीं दिया; और

(ख) क्या भारत सरकार की यह नीति रही है कि राज्यों से केन्द्र को हिन्दी में आने वाले पत्रों का उत्तर हिन्दी में दिया जाता है और यदि हां, तो दिल्ली प्रशासन के सम्बन्ध में इस नीति का पालन न करने के क्या कारण हैं ?

गृह मंत्रालय और कार्मिक विभाग में राज्य मंत्री (श्री राम निवास मिर्धा) : (क) जिन 100 पत्रों के बारे में आपत्ति उठाई गई है उनके भेजे जाने की अवधि का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। किन्तु गृह मंत्रालय में तुरन्त उपलब्ध सूचना से पता चलता है कि 1-1-1971 से 31-3-1971 तक की अवधि के दौरान दिल्ली प्रशासन से हिन्दी में प्राप्त होने वाले पत्रों का उत्तर विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा सामान्यतः हिन्दी में ही दिया गया। इस बारे में स्थिति बताने वाला एक विस्तृत विवरण संलग्न है।

(ख) जी हां, श्रीमन् । मूल पत्र-व्यवहार में लिखे गये अर्द्धशासकीय पत्रों, तकनीकी तथा कानूनी मामले वाले पत्रों और सभी राज्य सरकारों को सम्बोधित परिपत्रों, को छोड़ कर इसी नीति का पालन किया जाता है। यह नीति दिल्ली प्रशासन से पत्र-व्यवहार पर भी इसी प्रकार लागू होती है।

**विवरण**

1-1-1971 से 31-3-1971 तक की अवधि में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों तथा विभागों में दिल्ली प्रशासन से हिन्दी में प्राप्त पत्रों की संख्या तथा उनके उत्तर में हिन्दी तथा अंग्रेजी में भेजे गये पत्रों की संख्या।